GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

Recognised by ERC, NCTE · Affiliated to VBU Hazaribagh

प्रतिकृति

Bulletin ISSUE May-Aug - 2017

From the Directors' Desk

Class teachings, POTs, Activities... Activities... Activities...

अत्यन्त व्यस्त रहा यह पूरा चार मास का हर कार्य दिवस। फिर भी कहीं कोई अव्यवस्था नही। कहीं कोई हड़बड़ाहट और घबराहट नहीं। किसी भी छात्र–छात्रा के चेहरे पर थकान नहीं। परेशानी नहीं। किसी भी टीम सदस्य को कोई शिकायत नहीं। बस कुछ करना है – कुछ अच्छा करना है – कुछ बहुत अच्छा करना है। इसी भाव के साथ सब एक–एक कदम विश्वास और धैर्य के साथ बढ़ाते चले गये। Mdm Sanjeeta we respect your leadership. please convey our good wishes to team members. Our blessing to students.

सब स्वस्थ रहें – खुश रहें।

मनीष कपसिमे   अविनाश सेठ   अरूण मिश्रा

From Principal's Desk

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

यह पत्रिका नये अन्दाज और कई विशिष्ट कार्यक्रमों के साथ प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। सत्र 2015–17 के माह मई–अगस्त महाविद्यालय के लिए काफी गुणवत्ता और उपादेयता से युक्त रहा। इन महीनों में कई उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कड़ी में मई माह में सहज योग प्रशिक्षण योगमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम आयोजित हुए। इससे प्रशिक्षु वैज्ञानिक तथ्यों, विधियों, तकनीकी के मध्य सम्बन्धों और तर्कपूर्ण चिन्तन से काफी लाभान्वित हुए। जुलाई माह में N.S.S. के तहत वृक्षारोपण और स्वच्छता पखवारा कार्यक्रम और अगस्त माह में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसी समयावधी में सत्र 2016–17 के प्रशिक्षुओं द्वारा P.O.T. प्रशिक्षण, 2016–18 के प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का शत–प्रतिशत विशिष्टता के साथ परीक्षाफल का प्रकाशन और प्रशिक्षुओं का Practice of Teaching आरम्भ हुआ। इसके अतिरिक्त सत्र 2017–19 के प्रशिक्षुओं का विशेष स्वागत के साथ आरम्भ करते हुए अनेक शैक्षिक गतिविधियों के आयाम दिए जा रहे हैं। समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाने में शिक्षकों का मार्गदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है। इस प्रकार ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने पाठक्रम आधारित शैक्षिक गतिविधियों के साथ–साथ कई रचनात्मक कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया है और भविष्य में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को परिस्कृत करने की भी योजनाएँ हैं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month May, June, July & August' 2017

Science Exhibition

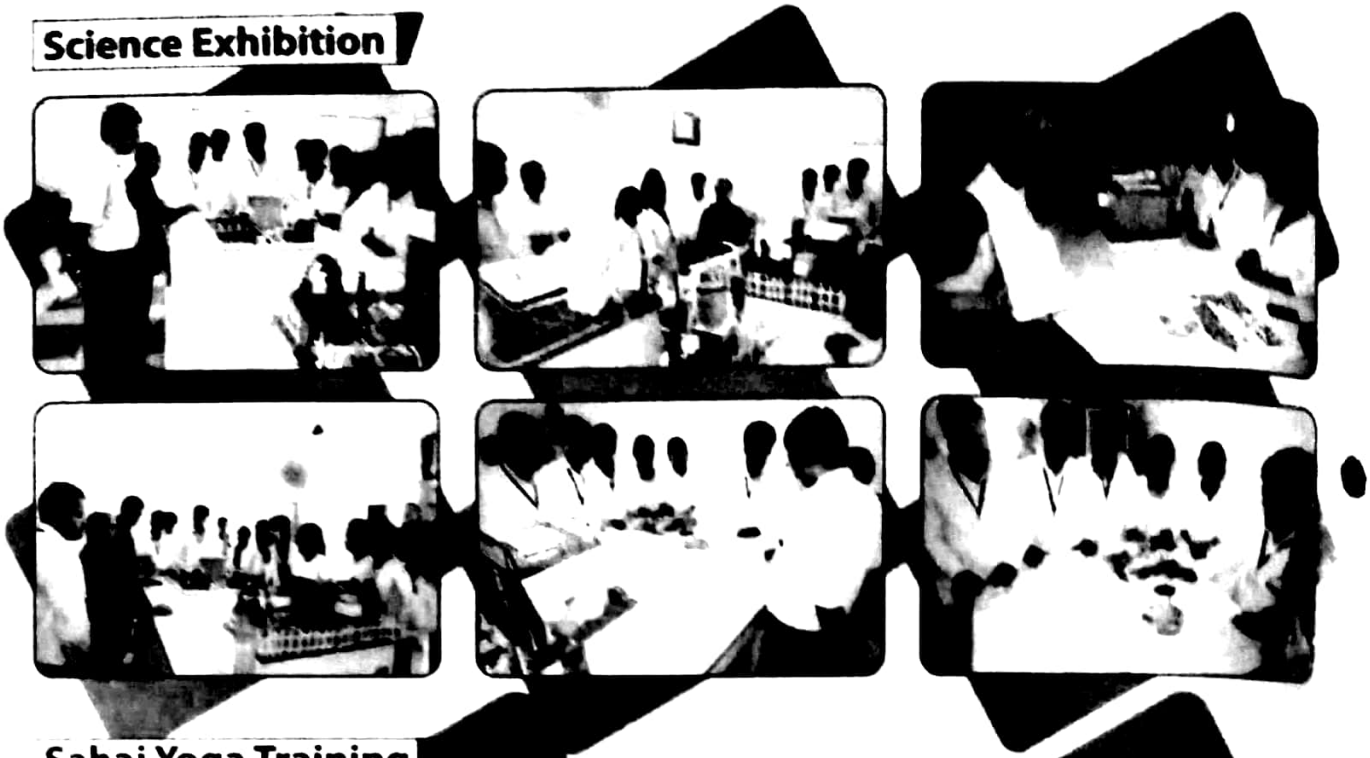

Sahaj Yoga Training

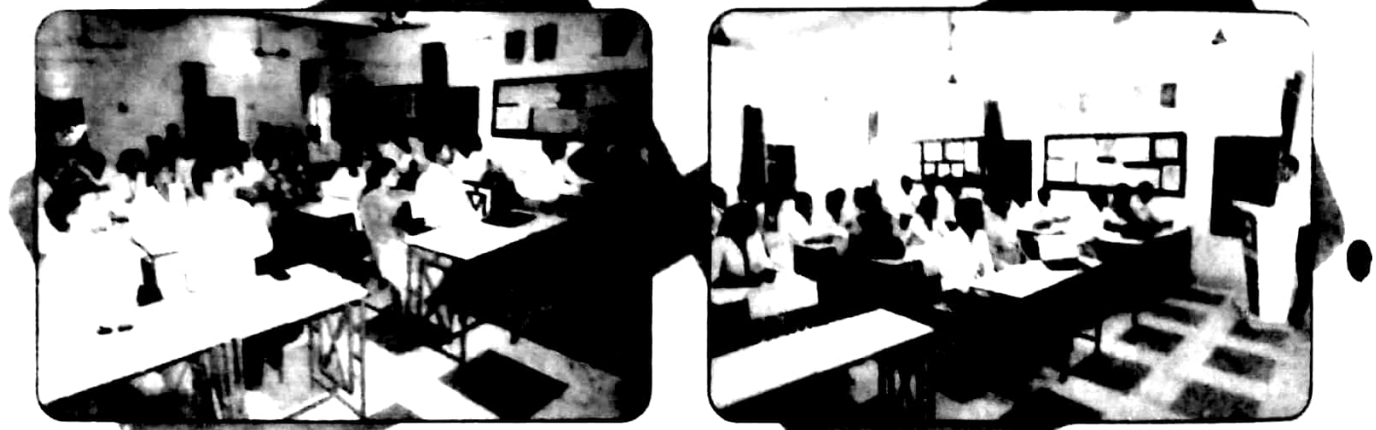

Swacchata Pakhwada

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Plantation Programme

Speech Competition

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

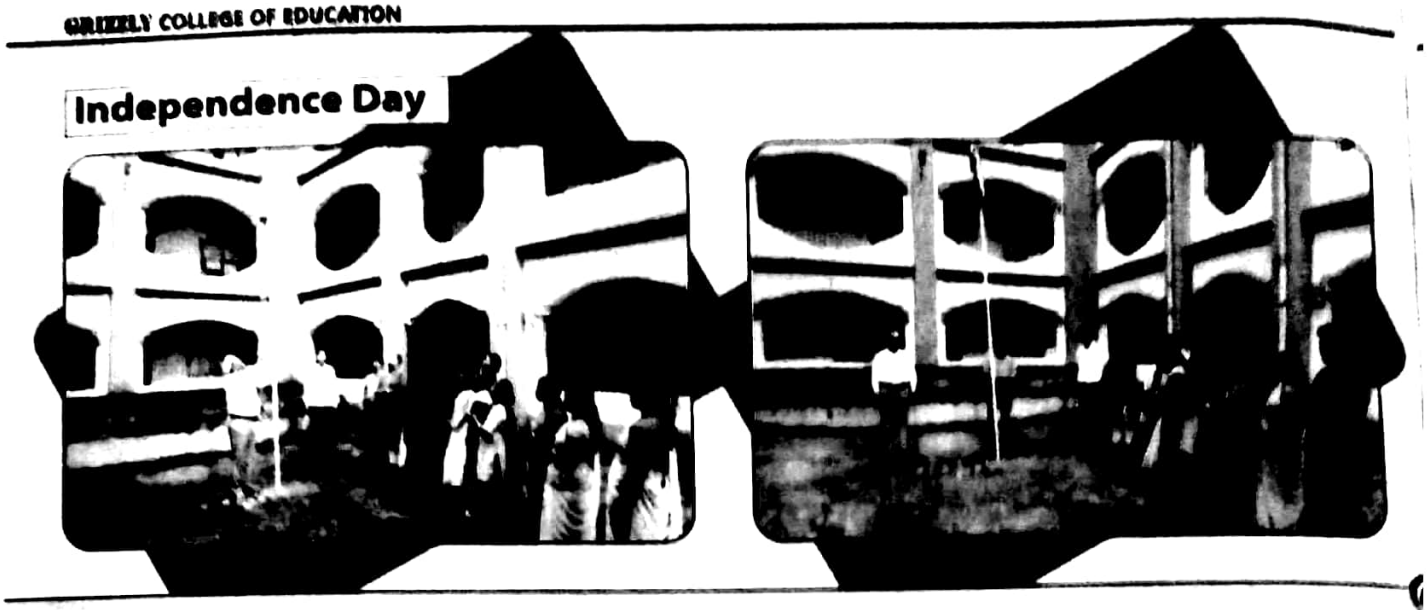

छात्र व शिक्षक

छात्र व शिक्षक करते आजीवन पढ़ाई,
तभी तो लोग करते हैं उनकी बड़ाई।
दोनों न लेते कभी अंगड़ाई,
क्योंकि दोनों को चढ़ना है नयी चढ़ाई।

शिक्षक दूर करते हैं छात्र की बला,
छात्र अपने कौशल से दिखाते हैं कला।
दोनों का काम नयी दुनिया बनाना,
तभी तो दोनों कभी करते नहीं बहाना।

शिक्षक स्वयं जलकर जलाते है ज्योति,
छात्र उन ज्योति में चुनते हैं मोती।
शिक्षक कभी करते नहीं भेदभाव,
विश्व बंधुत्व का देते सुझाव।

स्वास्थ्य व शिक्षा को बनाते है बेहतर,
लोगों को करके दिखाते हैं बेहतर।
राव के कविता में है, क्या–क्या भाव,
इसलिए हम कहते है कॉलेज तो आव।।

प्रो0 उदय प्रताप राव
व्याख्याता
ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन

संगत का फर्क

पानी की एक बूँद
गर्म तवे पर पड़े
तो मिट जाती है .....
कमल के पत्ते पे गिरे तो
मोती की तरह
चमकने लगती है .....
सीप में आये तो
खुद मोती ही बन जाती है .....
पानी की बूँद तो वही है,
बस संगत का फर्क है .....

सीमा कुमारी
781, 2016-18

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

शिक्षिका का वात्सल्य

वह ममता की मूर्ति, [illegible] मन की मधुर,
बच्चों के आचरणों में फिर भी प्यार दिखाया।
[illegible] ने साथी बोला, कर जाने को, सब जाने को,
साथी लालसाएँ [illegible] के सपनों को मुस्काने को।
परिवार प्यार को छोड़ कर्तव्य विमुख न हो पायी,
जीवन की मृगतृष्णा को पाती सरकारी पाठशाली।
संसार सार निस्सार, स्वार्थ परार्थ क्या है अपना,
निज [illegible] को छोड़, नौकरी को ठानी व निभाती।
घर छोड़ा, परिजन छोड़ा, फिर छोड़ दिया सुख सब मन धन,
[illegible] स्वार्थ और क्या त्याग यही पहली जीवन धन।
माता की अभिलाषा भी कभी पूर्ण हो जाती थी,
[illegible] हो जाते फिर सपने में सुख रही जाती।
[illegible] निभाना [illegible] निभाना पाली धन,
अनुपम काया सन्तुलित बदन, पत्थर निभाना कोमल मन।

प्रो० [illegible] दुबे
व्याख्याता
[illegible] कॉलेज ऑफ एजुकेशन

बेटी का सवाल

माँ तेरे आँचल में छिप जाने का मन करता है,
तेरी गोद में सो जाने का मन करता है।
जब तू है साथ मेरे जिन्दगी जीने का मन करता है,
तू ही है जिसके साथ, मैं खुश हूँ,
बस तेरे दामन में महफूज हूँ
पर माँ, जब तू भी दुश्मन बन जाती है,
मेरी नन्ही साँसों को जब तू ही खामोश कर जाती है।
क्या कसूर होता है मेरा, जो तू भी पराया कर जाती है,
मुझे जिन्दगी के बजाय, मौत के आगोश में सुला देती है।
डरती है रूह मेरी न जाने कब क्या होगा,
जब तू भी साथ ना है माँ,
तो कौन मेरा अपना होगा, कौन मेरा अपना होगा ?

ज्योति रानी
655, 2015-17

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Best House of The Month May' 17 : Rousseau House
Best House of The Month June' 17 : Rousseau House

ACHIEVEMENTS

100% Attendance in May' 2017

Name	Roll No.	Name	Roll No
Suraj Kumar	705	Suraj Kumar	722
Umapati Mishra	757	Soni Gupta	759

100% Attendance in Jun' 2017

Name	Roll No.	Name	Roll No
Suraj Kumar	705	Dolly Rani	707
Rinky Kumari	709	Sandhya Kumari	713
Poonam Devi	714	Mamta Kumari	715
Priya Kumari	717	Sangeeta Kumari	719
Suraj Kumar	722	Monika Kumari	735
Ku. Abhilasha Mishra	745	Rahul Kumar Yadav	746
Nikita Ajmani	748	Umapati Mishra	757
Soni Gupta	759	Sonam Kumari	766
Pooja Kumari	769	Deepika Sonkar	773
Pankaj Kumar Yadav	785		

Editorial Board

Book - Post

Chief Editor :
Dr. Sanjeeta Kumari

Editors
Prof. C. N. Jha
Prof. P. Kumar

Student Editors
Jyoti Rani &
Seema Kumari

To

PRINTED AT: BHAGWATI PRESS, JHUMRITELAIYA, PH.# 06534-222453

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner